पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने मनीषा मंदिर के कार्यक्रम में भाग लिया

लखनऊ: 24 सितम्बर, 2014

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज मनीषा जयन्ती एवं स्थापना समारोह के अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुये कहा कि देश के सामने कई समस्याएं हैं, जिसमें भ्रूण हत्या बड़ी समस्या है। भारतीय संस्कृति में दुर्गा को शक्ति, सरस्वती को विद्या तथा लक्ष्मी को धन की देवी कहते हैं परन्तु बेटी को समाज ने गलत धारणा के आधार पर एक समस्या बना दिया है। उल्लेखनीय है कि मनीषा मंदिर निराश्रित बालिकाओं के कल्याण हेतु एक स्वयं सेवी संस्था है।

संस्था की संस्थापिका डॉ० सरोजनी अग्रवाल की प्रशंसा करते हुये राज्यपाल ने कहा कि अपना दुःख भूलकर निराश्रित बालिकाओं का लालन-पालन करना अभिनन्दनीय कार्य है। डॉ०सरोजनी ने अपनी बेटी के देहावसान के बाद निराश्रित बालिकाओं को पालने की जो जिम्मेदारी उठायी है वह अनुकरणीय है। निराश्रित बालिकाओं की माँ बनना वास्तव में बड़ी बात है। उन्होंने कहा कि डॉ०सरोजनी में अणु जैसी सेवा करने की ऊर्जा है।

समारोह में अपने विचार व्यक्त करते हुये वरिष्ठ पत्रकार के0 विक्रमराव ने कहा कि बेटी के प्रति मानसिकता बदलने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि समाज में महिलायें सुरक्षित रहें इसका भी प्रयास होना चाहिए।

इस अवसर पर राज्यपाल ने संस्था को सहयोग करने वाले अनेक लोगों को ''मनीषा विकास गौरव सम्मान'' से सम्मानित किया। कार्यक्रम में डॉ०सरोजनी अग्रवाल ने भी अपने विचार रखते हुये संस्थान का परिचय दिया।

अंजुम/रा0/राजभवन